बिपिन त्रिपाठी कुमायूं प्रौद्योगिकी संस्थान, द्वाराहाट

(उत्तराखण्ड शासन का एक स्वायत्तशासी संस्थान)

द्वाराहाट, अल्मोड़ा

सं दे श

प्रिय छात्र–छात्राओं,

मुझे विश्वास है कि आप सभी छात्र पूरे मनोयोग एवं उत्साह से इस संस्थान में अपने जीवन तथा शैक्षणिक यात्रा के इस अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव से गुजर रहे है ।

मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम इस संस्थान को राज्य के अग्रणी संस्थानों में से एक, जिसका कि वो वास्तव में पात्र है, बनाने के लिए हम पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में हमें उत्तराखंड सरकार एवं राज्य के तकनीकी शिक्षा विभाग का पूर्ण सहयोग एवं समर्थन प्राप्त हो रहा है । हमारा मूल लक्ष्य अपने छात्र–छात्राओं के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल, तथा सभी उन मूलभूत आवश्यकताओं का सृजन करना है, जिससे आपको देशभर के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के समकक्ष उत्तम शैक्षणिक वातावरण एवं अनुभव का अवसर प्राप्त हो सके । इस क्रम में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं – जिनका लक्ष्य शैक्षिक–गुणवत्ता, छात्रों में अनवरत सीखने की प्रवृति, तथा छात्रों के रोजगार–कौशलता के विकास हेतु अनुकूल माहौल प्रदान करना भी है, – में सकारात्मक बदलाव एवं संवर्धन हेतु संस्थान अपनी प्रशासकीय परिषद और राज्य सरकार से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं । हालाँकि मैं यह भी स्पष्ट करना चाहूँगा कि इन प्रयासों के पूर्ण लाभों को स्पष्ट होने में अभी कुछ समय लगेगा, लेकिन हमें उम्मीद है कि इन बदलावों के नतीजे आगामी सेमेस्टर से दिखने आरंभ हो जाएंगे।

इन सभी प्रयासों की सफलता सभी हितधारकों – जिसमें छात्र सर्वाधिक महावपूर्ण हैं – की सक्रिय और सचेत भागीदारी पर सर्वाधिक निर्भर करती है, जिनकी उपलब्धि एवं आचरण से संस्थान की दिशा एवं दशा निर्धारित होती है। इसलिए संस्थान के सम्मान एवं प्रतिष्ठा में छात्रों की भूमिका एवं योगदान का विशेष महत्व है । इसके लिए यह आवश्यक है कि एक छात्र के रूप में हम अपने अंदर अनुशासन, स्वयं एवं अपने आस–पास के लिए उत्तरदायित्व की भावना, एवं सतत सीखने की प्रवृति को विकसित करें । हमें अपने मूल लक्ष्य – जो इस समय शिक्षा प्राप्त करना है – से भटकाने वाली सभी मानवीय मूल–प्रवृतियों (**basic instincts**) – पर विशेष दृष्टि एवं नियंत्रण रखने की आवश्यकता है । ये **basic instincts** – चाहे वे नशे के रूप में हों, बुरी संगत अथवा किसी अन्य बुराई के रूप में – ये हमें मूलतः अपने लक्ष्य से विमुख कर केवल सतही आनंद की ओर प्रेरित करती हैं और हमारे व्यक्तित्व में ऐसी विकृतियों को उत्पन्न करती हैं जो आपको अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए मूल्यवान बनने के अपने अंतिम लक्ष्य से भटकाने की सामर्थ्य रखती हैं । हम अपने जीवन में स्वेच्छा से अनुशासन का पालन कर बड़ी आसानी एवं व्यवहारिक तरीके से इन मानवीय विसंगतियों से बच सकते हैं ।

संस्थान का नाम इसके सभी हितधारकों/पक्षों – चाहे वो शासन अथवा प्रशासन हो, छात्र अथवा अभिभावक हो, या शिक्षक–कर्मचारीगण अथवा क्षेत्रीय जनता हो, की प्रतिष्ठा की सामूहिक अभिव्यक्ति है, और किसी को भी इस बात की अनुमति नहीं दी जा सकती है कि किसी एक के कारण इस संस्थान के नाम को क्षति हो अथवा छात्रों का हित अथवा भविष्य प्रभावित हो ।

हम यह बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि संस्थान किसी भी ऐसे प्रयास/कृत्य को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसका उद्देश्य उस प्रगति में बाधा डालना है, जिसे हम हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं । उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है, और मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ की संस्थान के इस उद्देश्य एवं हित के प्रतिकूल किसी भी स्तर से की गई एवं किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता/अराजकता को पूरी दृढ़ता और कड़ाई से निपटा जाएगा ।

शुभकामनाओं सहित !

(ड़ा0 के0के0एस0 मेर)
निदेशक

BipinTripathi Kumaon Institute of Technology, Dwarahat

(An autonomous institute of Government of Uttarakhand)

Dwarahat, Almora, Uttarakhand

M E S S A G E

Dear students,

I believe that you all students are going through this extremely crucial phase of your life and educational journey in this institution, with full dedication and enthusiasm.

I am delighted to inform you that we are wholeheartedly committed to make this institution one of the leading institutions in the state, which it truly deserves to be. In this endeavor, we are receiving full cooperation and support from the Uttarakhand Government and the state's Technical Education Department. Our primary goal is to create an excellent educational environment for our students and meet all their fundamental needs, enabling them access to the best educational and learning experience, at par with other prestigious institutions across the country. To achieve this, we are working on various important aspects – enhancement in educational quality, fostering a culture of continuous learning, and developing employability skills in students – and for this we are in the process of obtaining necessary approvals from the institute's governing body and state government. While I would like to clarify that it will take some time for the full benefits of these efforts to become apparent, we hope to start seeing a positive change from the upcoming semester.

The success of all these efforts relies primarily on the active and vigilant participation of all its stakeholders – with students being the most crucial among them – whose achievements and conduct play a key role in determining the institution's direction and future. Therefore, the role and contribution of students to uphold the honour and prestige of the institution are of utmost importance. For this, it is necessary for us, as students, to develop a sense of self-discipline, responsibility for self as well as our surroundings, and a continuous learning attitude within ourselves. We must keep a constant eye on managing and controlling our innate human instincts - whether they manifest as addictions, negative habits, or any other vices. These basic instincts fundamentally steer us away from our goals, enticing us towards superficial pleasures and creating distortions in our personalities, thereby deviating us from our ultimate objective of becoming valuable individuals for our families, society, and the nation. However, by a conscious practice of discipline in our lives, we can easily and practically overcome these human inconsistencies.

The name of the institution is a collective expression of all its stakeholders, whether it be government or administration; students or parents; teachers-staff or the local community. No one is allowed to jeopardize the reputation of institute or the well-being and future of its students, for any reason.

We want to make it absolutely clear that the institution will not tolerate any effort or act aimed to obstruct the progress, we are striving to achieve. Our commitment to excellence is unwavering, and I want to emphasize without any *iota* of doubt that any form of indiscipline or disorder, at any level, that goes against the objectives and interests of the institution will be dealt with firmly and decisively.

With Best Wishes!

(Dr. K.K.S. Mer)
Director